श्री शिवनाम सँकीर्तनम

प्रणामः

वन्दे देवमुमापतिं सुरगुरूं वन्दे जगत्कारणम्। वन्दे पन्नगभूषणम् म्रगधरं वन्दे पशूनां पतिम्॥

वन्दे सूर्यशशाङ्कबह्निनयनं वन्दे मूकुन्दप्रियम्। वन्दे भक्तजनाश्रयं च वरदं वन्दे शिवम् श ङ्करम्॥

प्रार्थना

नान्या तृषा पशुपते हृदि मे, त्वदीये। चित्तं वहामि चरणे पशुपाशनाशिन्॥

निष्ठां प्रदेहि परमां त्वयि ब्रह्मरूपे। निर्दोष-पुर्णचरितं कुरु मां द्रुतं च॥

ॐ श्री गोरि गणेश-षडानन-परिवार-समेत-श्रीपञ्चानन-परब्रह्मणे नमः।

साम्ब सदाशिव साम्ब सदाशिव। साम्ब सदाशिव साम्ब शिव हर॥

पूर्ण-परात्पर परम -कृपार्नव। अगणित-गुणगण-मुदित-शिव हर॥ 1

अद्भुत-मोलिक चन्द्र-कलाधर। अमराधीश्वर गिरीश शिव हर॥ 2

पुरुष पुरातन ब्रह्म सनातन। स्वनन्दामृत -मत्त-शिव हर॥ 3

नीलकन्ठ शिव सङ्कट मोचक। निखिलाधीश्वर सकल-शिव हर॥ 4

अमित-गुणार्नव चन्द्रेश्वर शिव। अचल-निवास सुरेश शिव हर॥ 5

सुरनर-सेवित श्रीहरि पूजित। इन्द्राद्यार्थित-जनक शिव हर॥ 6

त्रिशूल-धारण भुजग-बिभुषण। अन्धकरिपू-शितिकन्ठ शिव हर॥ 7

त्रिभुवन-पालक त्रिभुवन-नाशक। रिपूगण-सूदक सुखद शिव हर॥ 8

ईश महेश नटेश कृपार्नब। केशब-सेवित पूर्ण शिव हर॥9

मायाधीश्वर नटनमनोहर। अखिलजनाश्रय श्रेष्ठ शिव हर॥10

शम्भू-त्रिलोचन मोलि-बिभूषण। दनुज-बिनाशन भयद शिव हर॥11

कलिमलनाशन शिव पञ्चानन। रावण-सेवित बरद शिव हर॥12

मन्मथ-शासन ज्ञान-हुताशन। यतिजन-तोषण रुचिर शिव हर॥13

भूवन-महेश्वर चिन्मय-दीपक। ऐश्वर्यान्वित-मोद शिव हर॥14

एकानेक स्वरूप सस्दाशिव। ब्याघ्राम्बरधर सूभग शिव हर॥15

हृदय-विकासन मतिमल-नाशन। फणिगण-भूषण मधुर शिव हर॥16

त्र्यम्बक भार्गव-पूजित शङ्कर। मोह-बिनाशक-बोध शिव हर॥17

जन्म-जरा-मरणादि-बिनाशन। तोष-बिवर्धन शुभद शिव हर॥18

सुर-दल-नायक जय-सुख-कारक। दोष-निवारक धबल शिव हर॥19

ताप-त्रय-हर बदन मनोहर। नन्दीश्वर-शिव चरम शिव हर॥20

विनय प्रसारक गति मति दायक। चिरशुभसादक सतत शिव हर॥21

ॐकार-प्रिय योगि-जनाश्रय। अजरामर-धर धीश शिव हर॥22

निर्गुण गुणमय भुवनाधीश्वर। निज-जन-पालक सोम्य शिव हर॥23

करूणा-सागर शान्त सुधार्णव। साधक-हितकर वन्द्य शिव हर॥24

विल्वदल-प्रिय ध्यानिश्वर शिव। ब्योमाम्बर-धर दयित शिव हर॥25

गोरि-प्रियकर दीन जनाश्रय। श्रीपति-पूजित प्रनव शिव हर॥26

शाप-विमोचना ताप निवारण। भव-भय-नाशन रोद्र शिव हर॥27

कामेशवर शिव नटराजेश्वर। श्रीपरमेश्वर भव्य शिव हर॥28

स्वानन्दाम्रित-वर्षक-शङ्कर। अधतिमिरान्तक-सुर्य-शिव हर॥29

अन्तक-शासन घातक-भञ्जन। पुरूष निरन्ञ्जन भूप शिव हर॥30

आशुतोष हर शिव गङ्गाधर। चन्द्रचूड गुरु-दिव्य शिव हर॥31

राजेश्वर शिव मोक्श-विधायक। धूर्जटि-शङ्कर शुभ शिव हर॥32

करुणामय-हर वरदाभयकर। भूवन-मनोहर परमशिव हर॥33

स्थाबर-जङ्गम-सकल-विलक्षण। शोक-निवारण पूर्ण शिव हर॥34

गिरिजापति-गिरिजेश जटाधर। शशाङ्क-शेखर योगि-शिव हर॥35

कूहक-विघातन पातक-नाशक। मदन-विमर्दन बीर शिव हर॥36

ज्ञानेश्वर-शिव विज्ञानेशवर। मोक्षद-योगद सर्व शिव हर॥37

हृत्कमलासन ज्ञान-प्रसारण। तरूणारुणसम-शोव शिव हर॥38

मृड-मृग-धर हर गोरिश्वर शिव। धीश भवेश सुरेश शिव हर॥39

नाग-चर्म-धर नागेश्वर हर। ईश-चिदाम्बर जेष्ठ शिव हर॥40

योगेश्वर हर योगि-जन-प्रिय। योगविदाम्बर श्रेष्ठ शिव हर॥41

ॐकारेश्वर व्यापक निर्मल। धवल-हिमाचल-बास शिव हर॥42

ज़गद्रूपधर वीरभद्र शिव। भूताधिप हर विमल शिव हर॥43

ह्षभ-ध्वज शिव भव्य सुरर्षभ। रुद्रेशवर हर घोर शिव हर॥44

सुर-गण-रञ्जक ताण्डव-नर्तक। भुवनाधिप करुणेश शिव हर॥45

भष्म-विलेपन चन्ड-विनाशन। भाश्वर-लोचन भगद शिव हर॥46

निरुपम निष्फल बागीशवर-शिव। दर्प-विमर्दक काल शिव हर॥47

प्रेम-सुधार्णव प्रमथाधिप हर। भीत-जनाभय-बलद शिव हर॥48

पन्नग-भूषण हर पुरुषोत्तम। परमानन्द परेश शिव हर॥49

विबुध-विनोदन भजक-विबोधन। वीरेश्वर शिव धीर शिव हर॥50

हालाहल-धर बामा-धर शिव। भयहर-सुन्दर ललित शिव हर॥51

कालीश्वर शिव काल महेश्वर। कैलासेश्वर सदय शिव हर॥52

अर्ध-नटेश्वर पूर्ण-महेश्वर। शान्ति-सुधाकर शरभ शिव हर॥53

सꣳसाररार्णव-तारक शङ्कर। सहजानन्द महेश शिव हर॥54

राम-वर-प्रद रामेश्वर शिव। राघव-पूजित रम्य शिव हर॥55

पाशुपतास्त्रद किराट-मद-हर। अर्जुन-सेवित शरण शिव हर॥56

जय शिव-शङ्कर गिरिजा-वल्लभ। दक्ष-मखान्तक विकट शिव हर॥57

रामकृष्ण-प्रिय त्यागीश्वर हर। मङ्गल-कारक-बोध शिव हर॥58

चक्र-सुदर्षन-दायक तारक। हर कृष्णेश्वर-तत्त्व शिव हर॥59

लावण्येश्वर शरधर नटवर। लावण्यामृत लसित शिव हर॥60

विवेक-भास्कर ज्ञान-कला-धर। जड़तम-नाशक ध्रौव्य शिव हर॥61

सर्वज्ञेश्वर गुरु-स्मर-हर भव। चिन्मय-रूप चिदीश-शिव हर॥62

आदि-गिरीश्वर भक्त-जनोद्धर। बह्नि-भानु-शशि-नेत्र शिव हर॥63

बामदेव प्रभु-निखिल-जगद्गुरु। हरि-शर-गिरि-धनुराभ-शिव हर॥64

गौरि-पति-गिरिजेश शिवा-वर। व्योमकेश श्रीकण्ठ शिव हर॥65

अघ-मुख-पुर-भय-भव-गद-रिपु हर। अजगव शशधर-धाणि-शिव हर॥66

श्रुतिशत-श्रावित सहस्र-शीर्षक। विश्वनाथ तारेश शिव हर॥67

सर्व-जगत्रय-साक्षि सुरेश्वर। सकल-नयद्रुम शर्म-शिव हर॥68

सर्वभौम-नृप गुरु परमेश्वर। निखिल-चराचर-सेव्य शिव हर॥69

अद्वैतामृत-शान्ति-सुख-प्रद। आदि-चिदीश्वर विशद- शिव हर॥70

बाल-चन्द्र-धर तरुण मनोहर। भानुकोटि-सम-दीप्त- शिव हर॥71

मङ्गल-नायक लोकेश्वर हर। शन्मुख-गजमुख-जनक शिव हर॥72

ऊपमन्यु-प्रिय महाबलेश्वर। बरद पयोर्णव-दत्त-शिव हर॥73

सर्व-शास्त्र-निर्देशक शङ्कर। डिमि-डिमि-डमरु-निनाद-शिव हर॥74

देवदेव भव बानेश्वर शिव। दीनजन-प्रिय नयद शिव हर॥75

कृतान्त-शासक मार्कण्डेश्वर। मृत्युञ्जय शिव दरद शिव हर॥76

तुङ्गनाथ रुद्राक्ष-धर-प्रिय। पिनाक-धर-हर भर्ग शिव हर॥77

आदिनाथ श्रीकेदारेश्वर। शक्ति-समन्वित सर्व-शिव हर॥78

धर्म-कर्‌म-सर्वस्व-समर्पण। वेदशिखोथ्थित-मर्म शिव॥79

दशकाष्टक-स्तुत-महादेव शिव। निगमागम-मथितार्थ-शिव हर॥80

ब्रह्म परात्पर पूर्ण महेश्वर। सर्व-चराचर-पूर्ण-शिव हर॥81

निवेदनम

ॐ नमः शिवाय शान्ताय कारणत्रय-हेतबे। निवेदयामि चात्मानम गतिस्त्वम परमेश्वर॥

ईति शिवनाम सꣳकीर्तनम समाप्तम।

जय श्री देवादिदेव महादेव कि जय॥